

18.4.22

पंजावली पेशा हुनी / आधिवारा उंम
पसनापुर उप० आयी / पंजावली का
अपानपूर्वक अवलोकन का अक्षयकर
छिपा । विद्वान आधिवारा उंम
पर पर धनन छिपा ।

प्रसंगत भारती ख. नं. 2679,
2680, 2681 कुल उंम 3 कुल रकबा
२० बीघा ०५ बिस्वा घर आपण लण हाजा
द्वारा दिनांक ०४-७-१५ को विरह
अज्ञापीगवा अंतरेक अण्पाई निषेधा
जारी की गयी थी । समय-समय पर



अंतर्गत आस्था विवेचना की कक्षा
की बरती गयी।

हमने जोर कहे व धर्म-पत्र
के गुणवत्ता पर भी विचार किया
आस्था में किताब 8/11/15 को जारी
अंतर्गत आस्था विवेचना को
मूलवाद के सिद्धांत तक कक्षा
किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः किताब 8/11/15 को जारी
अंतर्गत आस्था विवेचना कार्यक्रम
मूलवाद कार्यक्रम की जाती है।

पत्रावली केवल मुकाद हो नम्बर
से कम की जाकर मूलवाद के साथ
रखी है।

निर्णय लिखा जाकर सब
इजलास हुआ गया।

पत्र
१५/५/१५
उपस्थित अधिकारी
अभि. सं. सं.